

Serial No.



TEST BOOKLET

Polity

TEST-02



Time Allowed: One Hours

Maximum Marks: 100

INSTRUCTIONS

1. IMMEDIATELY AFTER THE COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION, YOU SHOULD CHECK THAT THIS TEST BOOKLET DOES NOT HAVE ANY UNPRINTED OR TORN OR MISSING PAGES OR ITEMS, ETC. IF SO, GET IT REPLACED BY A COMPLETE TEST BOOKLET.
2. You have to enter your **Roll Number** on the Test Booklet in the Box provided alongside. **DO NOT** write anything else on the Test Booklet.
3. This Test Booklet contains **50** Questions. Each item is printed in **Hindi**. Each comprises four responses (answers). You will select the response which you want to mark on the Answer Sheet. In case you feel that there is more than one correct response, mark the response which you consider the best. In any case, choose **ONLY ONE** response for each item.
4. You have to mark all your responses **ONLY** on the separate Answer Sheet provided. See directions in the Answer Sheet.
5. **All** items carry equal marks.
6. Sheets for rough work are appended in the Test Booklet at the end.
7. **Penalty for wrong answers:**

THERE WILL BE PENALTY FOR WRONG ANSWERS MARKED BY A CANDIDATE IN ALL THE QUESTIONS

There are four alternatives for the answer to every question. For each question for which a wrong answer is given by the candidate, one-third of the marks assigned to that question will be deducted as penalty. If a candidate gives more than one answer, it will be treated as a wrong answer even if one of the given answers happens to be correct and there will be same penalty as above to that question. If a question is left blank, i.e., no answer is given by the candidate, there will be no penalty for that question.

1. परीक्षा प्रारम्भ होने के तुरन्त बाद आप इस परीक्षण पुस्तिका की पड़ताल अवश्य कर लें कि इसमें कोई बिना छपा, फटा या छूटा हुआ पृष्ठ अथवा प्रश्नांश आदि न हो। यदि ऐसा है, तो इसे सही परीक्षण पुस्तिका से बदल लें।
2. इस परीक्षण पुस्तिका पर साथ में दिए गए कोष्ठक में आपको अपना **अनुक्रमांक** लिखना है।
3. इस परीक्षण पुस्तिका पर **50** प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्नांश **हिन्दी** में छपा है। प्रत्येक प्रश्नांश में चार प्रत्युत्तर (उत्तर) दिए गए हैं। इनमें से एक प्रत्युत्तर को चुन लें, जिसे आप उत्तर-पत्रक पर अंकित करना चाहते हैं। यदि आपको ऐसा लगे कि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं, तो उस प्रत्युत्तर को अंकित करें जो आपको सर्वोत्तम लगे। प्रत्येक अंश के लिए केवल एक ही प्रत्युत्तर चुनना है।
4. आपको अपने सभी प्रत्युत्तर **अलग** से दिए गए उत्तर पत्रक पर ही अंकित करने हैं। उत्तर पत्रक में दिए गए निर्देश देखें।
5. सभी प्रश्नांशों के अंक समान हैं।
6. **गलत उत्तरों के लिए दण्ड :**

सभी प्रश्नों में उम्मीदवार द्वारा दिए गए गलत उत्तरों के लिए दण्ड दिया जाएगा।

प्रत्येक के लिए चार वैकल्पिक उत्तर हैं। उम्मीदवार द्वारा प्रत्येक के लिए दिए गए एक गलत उत्तर के लिए हेतु नियत किए गए अंकों का एक-तिहाई दण्ड के रूप में काटा जाएगा। यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक उत्तर देता है, तो इसे गलत उत्तर माना जाएगा, यद्यपि दिए गए उत्तरों में से एक उत्तर सही होता है, फिर भी उसके लिए उपर्युक्तानुसार ही उसी तरह का दण्ड दिया जाएगा। यदि उम्मीदवार द्वारा कोई हल नहीं किया जाता है अर्थात् उम्मीदवार द्वारा उत्तर नहीं दिया जाता है, तो उसके लिए कोई दण्ड नहीं दिया जाएगा।

1. एक भारतीय नागरिक ने 2017 में अपनी नागरिकता त्यागने की घोषणा की, जब उसका बेटा 10 साल का था। अतः उसके त्याग की घोषणा को सफलतापूर्वक पंजीकृत कर लिया गया। वर्तमान में उसके बेटे को निम्नलिखित में से कौन से मौलिक अधिकार प्राप्त होंगे?

1. निजता का अधिकार
2. गिरफ्तारी और नजरबंदी से सुरक्षा
3. भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 2
- (d) 1, 2 और 3

Ans. C

व्याख्या:

- पूर्ण आयु और क्षमता वाला भारत का कोई भी नागरिक अपनी भारतीय नागरिकता का त्याग करने की घोषणा कर सकता है।
- उस घोषणा के पंजीकरण के बाद, वह व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं रह जाता है। इसके अलावा जब कोई व्यक्ति अपनी भारतीय नागरिकता का त्याग करता है, तो उस व्यक्ति का प्रत्येक नाबालिग बच्चा भी भारतीय नागरिकता खो देता है। हालांकि, जब ऐसा बच्चा 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेता है, तो वह भारतीय नागरिकता फिर से शुरू कर सकता है।
- इस मामले में, बच्चा नाबालिग होने के कारण अपनी नागरिकता भी खो देगा। इस प्रकार, उसे भारतीय नागरिक नहीं माना जाएगा। इसलिए, वह केवल उन मौलिक अधिकारों का लाभ ले पाएगा जो नागरिकों और विदेशियों दोनों को उपलब्ध हैं:
 - o कानून के समक्ष समानता और कानूनों का समान संरक्षण (अनुच्छेद 14)
 - o अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण (अनुच्छेद 20)
 - o जीवन की सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता (अनुच्छेद 21) इसलिए विकल्प 1 सही है।
 - o शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 21A)
 - o कुछ मामलों में गिरफ्तारी और नजरबंदी से संरक्षण (अनुच्छेद 22)। इसलिए विकल्प 2 सही है।
 - o मानव तस्करी और जबरन श्रम पर प्रतिबंध (अनुच्छेद 23)।
 - o कारखानों आदि में बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध, (अनुच्छेद 24)।
 - o अंतःकरण की स्वतंत्रता और धर्म के अबाध पेशे, अभ्यास और प्रचार (अनुच्छेद 25)।
 - o धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 26)।
 - o किसी भी धर्म के प्रचार के लिए करों के भुगतान से स्वतंत्रता (अनुच्छेद 27)।
 - o कुछ शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक शिक्षा या पूजा में भाग लेने से स्वतंत्रता (अनुच्छेद 28)।

निम्नलिखित अधिकार केवल भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं:

- o धर्म, जाति, नस्ल, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध (अनुच्छेद 15)
- o सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता (अनुच्छेद 16)
- o भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19) इसलिए विकल्प 3 गलत है।
- o अल्पसंख्यकों की भाषा, लिपि और संस्कृति का संरक्षण (अनुच्छेद 29)
- o अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन का अधिकार (अनुच्छेद 30)।

2. निम्नलिखित उद्देश्यों पर विचार कीजिए-

1. राजनीतिक न्याय
2. आर्थिक स्वतंत्रता
3. स्थिति की समानता
4. राष्ट्र की एकता और अखंडता

उपर्युक्त में से कौन से उद्देश्य भारत के संविधान की प्रस्तावना में बताए गए हैं?

- (a) केवल 1, 3 और 4
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3 और 4
- (d) केवल 1, 2 और 4

Ans. A

व्याख्या: भारतीय संविधान की प्रस्तावना-

- हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने और उसके समस्त नागरिकों के लिए निम्नलिखित सुरक्षा प्रदान करने का सत्यनिष्ठा से संकल्प लेते हैं:
 - o सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; अतः कथन 1 सही है।
 - o विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और उपासना की स्वतंत्रता; अतः कथन 2 सही नहीं है।
 - o स्थिति और अवसर की समानता; और उन सभी में पदोन्नति, अतः कथन 3 सही है।
 - o व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता का आश्वासन देने वाली बंधुता; अतः कथन 4 सही है।
- अपनी संविधान सभा में 26 नवम्बर, 1949 को एतद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।
- प्रस्तावना संविधान के अधिकार के स्रोत का खुलासा करती है जो "भारत के लोगों से अधिकार" है।
- यह भारतीय राज्य की प्रकृति को संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणतंत्रात्मक राजनीति के रूप में घोषित करती है।
- यह संविधान के उद्देश्यों के रूप में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को निर्दिष्ट करता है।
- इसमें संविधान को अपनाने की तिथि का भी उल्लेख है जो 26 नवंबर, 1949 है।

3. संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसके संचालन के लिए कोई अधिकतम अवधि निर्धारित नहीं है।
2. जब इसे लगाया जाता है, तो राष्ट्रपति राज्यपाल में निहित किसी भी शक्ति को स्वयं धारण कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. B

व्याख्या:

- राष्ट्रपति शासन लगाने की घोषणा को जारी होने की तारीख से दो महीने के भीतर संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।
- हालाँकि, यदि राष्ट्रपति शासन की घोषणा ऐसे समय में जारी की जाती है जब लोकसभा भंग हो गई हो या लोकसभा का विघटन घोषणा को मंजूरी दिए बिना दो महीने की अवधि के दौरान होता है, तो घोषणा पुनर्गठन के बाद लोकसभा की पहली बैठक से 30 दिनों तक जीवित रहती है, बशर्ते कि राज्यसभा इस बीच इसे मंजूरी दे दे। यदि संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो राष्ट्रपति शासन छह महीने तक जारी रहता है। इसे संसद की मंजूरी से अधिकतम तीन साल की अवधि के लिए हर छह महीने में बढ़ाया जा सकता है। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।
- राष्ट्रपति घोषणा द्वारा:
 - o राज्य सरकार के सभी या किसी भी कार्य को और राज्य के विधानमंडल के अलावा राज्यपाल या राज्य में किसी व्यक्ति या प्राधिकरण द्वारा निहित या उसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली सभी या किसी भी शक्ति को अपने हाथ में ले सकता है; अतः कथन 2 सही है।
 - o घोषणा कर सकता है कि राज्य विधानमंडल की शक्तियां संसद द्वारा या उसके प्राधिकार के अधीन प्रयोग की जा सकेंगी;
 - o ऐसे आनुषंगिक और परिणामी उपबंध कर सकता है जो राष्ट्रपति को उद्घोषणा के उद्देश्यों को प्रभावी करने के लिए आवश्यक या वांछनीय प्रतीत हों।

4. संसदीय शासन प्रणाली के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. मंत्री प्रक्रिया की गोपनीयता के सिद्धांत पर कार्य करते हैं।
2. मंत्री विधायिका और कार्यपालिका दोनों के सदस्य होते हैं।
3. प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद् का नेता होता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

Ans. C

व्याख्या: भारत में संसदीय शासन प्रणाली की कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

- **गोपनीयता:** मंत्री प्रक्रिया की गोपनीयता के सिद्धांत पर काम करते हैं और अपनी कार्यवाही, नीतियों और निर्णयों के बारे में जानकारी नहीं दे सकते हैं। वे अपने कार्यालय में प्रवेश करने से पहले गोपनीयता की शपथ लेते हैं। मंत्रियों को गोपनीयता की शपथ राष्ट्रपति द्वारा दिलाई जाती है। इसलिए, कथन 1 सही है।
- **दोहरी सदस्यता :** मंत्री विधायिका और कार्यपालिका दोनों के सदस्य होते हैं। इसका मतलब है कि कोई व्यक्ति संसद का सदस्य हुए बिना मंत्री नहीं हो सकता है। संविधान में यह प्रावधान है कि जो मंत्री लगातार छह महीने तक संसद का सदस्य नहीं रहता है, वह मंत्री नहीं रहता है। इन क्षमताओं में, वह सरकार के कामकाज में एक महत्वपूर्ण और अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए, कथन 2 सही है।
- **बहुमत पार्टी नियम:** लोकसभा में बहुमत सीटें हासिल करने वाला राजनीतिक दल सरकार बनाता है। उस पार्टी के नेता को राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया जाता है; अन्य मंत्रियों को प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। हालाँकि, जब किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिलता है, तो राष्ट्रपति द्वारा सरकार बनाने के लिए पार्टियों के गठबंधन को आमंत्रित किया जा सकता है। इसलिए, कथन 3 सही है।
- नाममात्र और वास्तविक कार्यकारी
- सामूहिक उत्तरदायित्व
- राजनीतिक एकरूपता
- निचले सदन का विघटन

5. मौलिक अधिकारों पर राष्ट्रीय आपातकाल के प्रभाव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. जब राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की जाती है तो अनुच्छेद 19 स्वतः ही निलंबित हो जाता है।
2. राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान किसी भी मौलिक अधिकार के प्रवर्तन को निलंबित करने वाले राष्ट्रपति के आदेश को संसद की मंजूरी की आवश्यकता होती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. B

व्याख्या:

- अनुच्छेद 358 और 359 मौलिक अधिकारों पर राष्ट्रीय आपातकाल के प्रभाव का वर्णन करते हैं। अनुच्छेद 358 अनुच्छेद 19 द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकारों के निलंबन से संबंधित है, जबकि अनुच्छेद 359 अन्य मौलिक अधिकारों (अनुच्छेद 20 और 21 द्वारा गारंटीकृत अधिकारों को छोड़कर) के निलंबन से संबंधित है।
- अनुच्छेद 19, जिसमें छह अधिकार हैं, को केवल तभी निलंबित किया जा सकता है जब राष्ट्रीय आपातकाल युद्ध या बाहरी आक्रमण के आधार पर घोषित किया गया हो, सशस्त्र विद्रोह के आधार पर नहीं।

- अनुच्छेद 19 स्वतः रूप से केवल तभी निलंबित होता है जब आपातकाल की घोषणा का आधार युद्ध या बाहरी आक्रमण हो। यह प्रावधान शुरू में नहीं था और इसे 44 वें संवैधानिक संशोधन द्वारा जोड़ा गया था। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- अनुच्छेद 359 राष्ट्रपति को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए किसी भी अदालत को स्थानांतरित करने के अधिकार को निलंबित करने के लिए अधिकृत करता है।
- प्रवर्तन का निलंबन केवल उन मौलिक अधिकारों से संबंधित है जो राष्ट्रपति के आदेश में निर्दिष्ट हैं।
- इसके अलावा, निलंबन आपातकाल के संचालन के दौरान की अवधि के लिए या आदेश में उल्लिखित छोटी अवधि के लिए हो सकता है, और निलंबन आदेश पूरे देश या देश के किसी भी हिस्से तक विस्तारित हो सकता है। इस तरह के राष्ट्रपति के आदेश को मंजूरी के लिए संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखा जाना चाहिए। इसलिए, कथन 2 सही है।

6. निम्नलिखित में से कौन संविधान सभा की प्रारूप समिति का सदस्य नहीं था ?

- (a) बी एन राव
- (b) बीआर अंबेडकर
- (c) अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर
- (d) के एम मुंशी

Ans. A

व्याख्या: 29 अगस्त 1947 को, संविधान सभा ने एक प्रस्ताव के माध्यम से संवैधानिक सलाहकार द्वारा तैयार भारत के संविधान के मूलपाठ के मसौदे की जांच करने के लिए प्रारूप समिति की नियुक्त की।

प्रारूप समिति में सात सदस्य थे:

- अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर;
- एन गोपालस्वामी ;
- बीआर अंबेडकर;
- केएम मुंशी;
- मोहम्मद सादुल्ला ;
- बीएल मित्र और डीपी खेतान।
- 30 अगस्त 1947 को अपनी पहली बैठक में, प्रारूप समिति ने बीआर अंबेडकर को अपना अध्यक्ष चुना।

7. संविधान सभा के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं ?

1. यह पूरी तरह से संप्रभु निकाय था, जो अपनी इच्छानुसार कोई भी संविधान बना सकती थी।
2. यह भारत की पहली संसद बनी।
3. यह लोगों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से चुनी गयी थी।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

Ans. C

व्याख्या:

- संविधान सभा का गठन नवंबर 1946 में कैबिनेट मिशन योजना द्वारा तैयार की गई योजना के तहत किया गया था।
- विधानसभा को पूरी तरह से संप्रभु निकाय बनाया गया था, जो अपनी इच्छानुसार कोई भी संविधान बना सकती थी। विधानसभा को भारत के संबंध में ब्रिटिश संसद द्वारा बनाए गए किसी भी कानून को निरस्त करने या बदलने का अधिकार था। इसलिए कथन 1 सही है।
- इसने एक विधायी निकाय के रूप में काम किया अर्थात् विधानसभा को दो अलग-अलग कार्य सौंपे गए - स्वतंत्र भारत के लिए एक संविधान बनाना और देश के लिए सामान्य कानून बनाना। इस प्रकार, विधानसभा स्वतंत्र भारत की पहली संसद (डोमिनियन विधानमंडल) बन गई। अतः कथन 2 सही है।
- जब भी विधानसभा संविधान निकाय के रूप में मिलती थी तो इसकी अध्यक्षता डॉ राजेंद्र प्रसाद करते थे और जब यह विधायी निकाय के रूप में मिलती थी तो इसकी अध्यक्षता जीवी मावलंकर करते थे। ये दोनों कार्य 26 नवंबर, 1949 तक जारी रहे, जब संविधान बनाने का कार्य समाप्त हो गया।
- यद्यपि संविधान सभा को भारत के लोगों द्वारा वयस्क मताधिकार के आधार पर सीधे नहीं चुना गया था, लेकिन विधानसभा में भारतीय समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधि शामिल थे- हिंदू, मुस्लिम, सिख, पारसी, एंग्लो-इंडियन, भारतीय ईसाई, एससी, एसटी इन सभी वर्गों की महिलाओं सहित। अतः कथन 3 सही है।

8. भारतीय संविधान के भाग-III के तहत प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार (अनुच्छेद 25-28) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. वे केवल धार्मिक विश्वासों को कवर करते हैं, लेकिन धार्मिक प्रथाओं और अनुष्ठानों को नहीं।
2. राज्य द्वारा प्रशासित किसी भी शैक्षणिक संस्थान में कोई धार्मिक शिक्षा प्रदान नहीं की जाएगी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. D

व्याख्या: अनुच्छेद 25 में कहा गया है कि सभी व्यक्ति समान रूप से अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने, अभ्यास करने और प्रचार करने के अधिकार के हकदार हैं।

• इनके निहितार्थ हैं:

- o अंतरात्मा की स्वतंत्रता: किसी व्यक्ति की आंतरिक स्वतंत्रता कि वह ईश्वर या प्राणियों के साथ अपने संबंध को अपनी इच्छानुसार ढाल सके।
- o मानने का अधिकार: किसी की धार्मिक मान्यताओं और विश्वासों की खुले तौर पर और स्वतंत्र रूप से घोषणा।

- o **प्रचार करने का अधिकार:** अपनी धार्मिक मान्यताओं को दूसरों तक पहुँचाना और प्रसार करना या अपने धर्म के सिद्धांतों की व्याख्या करना। लेकिन, इसमें किसी अन्य व्यक्ति को अपने धर्म में परिवर्तित करने का अधिकार शामिल नहीं है।
- उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि अनुच्छेद 25 न केवल धार्मिक मान्यताओं को बल्कि धार्मिक प्रथाओं (अनुष्ठानों) को भी कवर करता है। इसके अलावा, ये अधिकार सभी व्यक्तियों-नागरिकों के साथ-साथ गैर-नागरिकों को भी उपलब्ध हैं। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- हालाँकि, ये अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता, स्वास्थ्य और मौलिक अधिकारों से संबंधित अन्य प्रावधानों के अधीन हैं। इसके अलावा, राज्य को निम्न की अनुमति है:
 - o धार्मिक प्रथा से जुड़ी किसी भी आर्थिक, वित्तीय, राजनीतिक या अन्य धर्मनिरपेक्ष गतिविधि को विनियमित या प्रतिबंधित करना।
 - o सामाजिक कल्याण और सुधार प्रदान करना या सार्वजनिक चरित्र की हिंदू धार्मिक संस्थाओं को हिंदुओं के सभी वर्गों के लिए खोलना।
- अनुच्छेद 28 के तहत, राज्य के कोष से पूरी तरह से संचालित किसी भी शैक्षणिक संस्थान में कोई धार्मिक शिक्षा प्रदान नहीं की जाएगी।
- हालाँकि, यह प्रावधान राज्य द्वारा प्रशासित लेकिन किसी बंदोबस्ती या ट्रस्ट के तहत स्थापित किसी शैक्षणिक संस्थान पर लागू नहीं होगा, जहां ऐसी संस्था में धार्मिक शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता होती है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।

9. निम्नलिखित में से कौन सी अनिवार्यतः संघीय राजनीति की विशेषता नहीं है?

- (a) दोहरी नागरिकता
- (b) स्वतंत्र न्यायपालिका
- (c) कठोर संविधान
- (d) संविधान की सर्वोच्चता

Ans. A

व्याख्या:

- दोहरी नागरिकता संघीय राजनीति की एक अनिवार्य विशेषता नहीं है। भारत जैसे कुछ संघीय देशों में, एकल नागरिकता है। संघीय राजनीति की आवश्यक विशेषताएँ-
 - o दो प्रकार की राजनीति-राष्ट्रीय स्तर पर और क्षेत्रीय स्तर पर
 - o लिखित संविधान
 - o कठोर संविधान
 - o संविधान की सर्वोच्चता
 - o स्वतंत्र न्यायपालिका
 - o द्विसदनीय विधायिका
 - o राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन। इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर है।

10. भारतीय संविधान की नौवीं अनुसूची के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह पहली अनुसूची थी जिसे संविधान के लागू होने के बाद जोड़ा गया था।
2. यह कृषि सुधारों से संबंधित कानूनों की रक्षा और जमींदारी प्रथा को समाप्त करने के लिए लागू की गयी थी।
3. इस अनुसूची के अंतर्गत रखे गए सभी कानूनों को न्यायिक समीक्षा से छूट प्रदान की जाती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

Ans. B

व्याख्या:

- प्रारंभ के समय भारतीय संविधान में आठ अनुसूचियाँ निहित थीं। नौवीं अनुसूची 1951 में संविधान का हिस्सा बन गई, जब दस्तावेज में पहली बार संशोधन किया गया।
- यह पहला संवैधानिक (संशोधन) अधिनियम, 1951 द्वारा बनाया गया था इसे कृषि सुधारों से संबंधित कानूनों की रक्षा और जमींदारी प्रथा को समाप्त करने के लिए लागू किया गया था। अतः कथन 1 और 2 सही हैं।
- यद्यपि प्रथम संशोधन (1951) इसमें शामिल कानूनों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर न्यायिक जाँच से बचाने के लिए किया गया था।
- जनवरी 2007 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि नौवीं अनुसूची में शामिल कानूनों की न्यायिक समीक्षा से कोई व्यापक प्रतिरक्षा नहीं हो सकती है। अदालत ने कहा कि न्यायिक समीक्षा संविधान की एक 'बुनियादी विशेषता' है और इसे नौवीं अनुसूची के तहत एक कानून डालकर नहीं हटाया जा सकता है। इसने कहा कि 24 अप्रैल, 1973 के बाद नौवीं अनुसूची के तहत रखे गए कानून अदालत में चुनौती के लिए खुले हैं, यदि उन्होंने अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 या संविधान के 'मूल ढांचे' के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है। अतः कथन 3 सही नहीं है।

11. भारतीय संविधान के भाग IV(A) के तहत निम्नलिखित में से कितने प्रावधान मौलिक कर्तव्य हैं?

1. संविधान का पालन करना तथा उसके आदर्शों और संस्थाओं का सम्मान करना।
2. नदियों और वन्य जीवन की रक्षा और सुधार करना।
3. लोगों के समान न्याय और कल्याण को बढ़ावा देना।
4. भारत के सभी लोगों के बीच समान भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3 और 4
- (c) केवल 1, 2 और 3
- (d) केवल 1, 2 और 4

Ans. C

- संविधान के अनुच्छेद 51A के तहत भाग IV (A) में निहित ग्यारह मौलिक कर्तव्य हैं –
- भारतीय संविधान का पालन करना और इसके आदर्शों और संस्थाओं जैसे राष्ट्रगान और ध्वज का सम्मान करना। इसलिए कथन 1 सही है।
- स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान विचारों को संजोना और उनका पालन करना।
- भारत की अखंडता, संप्रभुता और एकता की रक्षा करना।
- देश की रक्षा करना और आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्रीय सेवा करना।
- भारत के सभी लोगों के बीच सद्भाव और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना और महिलाओं के लिए अपमानजनक किसी भी प्रथा का त्याग करना। इसलिए कथन 4 सही है।
- हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध राष्ट्रीय विरासत को संजोना और संरक्षित करना।
- झीलों, वन्यजीवों, नदियों, जंगलों आदि सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना। इसलिए कथन 2 सही है।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद और जांच की भावना विकसित करना।
- सभी सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा करना और हिंसा का परित्याग करना।
- व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों की सभी विधाओं में उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास करना।
- समान न्याय और लोगों के कल्याण को बढ़ावा देना क्रमशः अनुच्छेद 39A और अनुच्छेद 38 के अंतर्गत आता है। यह संविधान के भाग IV में उल्लिखित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का हिस्सा है। इसलिए कथन 3 सही नहीं है।

12. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (डीपीएसपी) में से किन दो को अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 के तहत मौलिक अधिकारों पर वरीयता दी गई है?

- (a) अनुच्छेद 38 और अनुच्छेद 40
- (b) अनुच्छेद 50 और अनुच्छेद 51
- (c) अनुच्छेद 44 और अनुच्छेद 48
- (d) अनुच्छेद 39 (B) और अनुच्छेद 39 (C)

Ans. D

व्याख्या:

- अनुच्छेद 39 (B) सामान्य लाभ के लिए समुदाय के भौतिक संसाधनों के समान वितरण का प्रावधान करता है और अनुच्छेद 39 (C) धन और उत्पादन के साधनों के केंद्रीकरण की रोकथाम के लिए प्रावधान करता है।
- अनुच्छेद 39 (B) कहता है कि राज्य, विशेष रूप से, अपनी नीति को सुरक्षित करने की दिशा में निर्देशित करेगा: कि समुदाय के भौतिक संसाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण सामान्य लाभ को पूरा करने के लिए सबसे अच्छा वितरित किया जाता है।
- अनुच्छेद 39 (C) कहता है कि राज्य विशेष रूप से अपनी नीति को यह सुनिश्चित करने की दिशा में निर्देशित करेगा कि आर्थिक

प्रणाली के संचालन के परिणामस्वरूप सामान्य हानि के लिए धन और उत्पादन के साधनों का केंद्रीकरण न हो।

- गोलकनाथ मामले (1967) में, सुप्रीम कोर्ट ने घोषणा की थी कि संसद राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों को प्रभावी करने के लिए मौलिक अधिकारों में संशोधन नहीं कर सकती है। संसद ने संविधान के 25वें संशोधन अधिनियम को लाकर फिर से प्रतिक्रिया दी, जिसमें भाग III में अनुच्छेद 31 C डाला गया। इसमें दो प्रावधान थे: यदि अनुच्छेद 39 (B) और अनुच्छेद 39 (C) में डीपीएसपी को प्रभावी करने के लिए एक कानून बनाया जाता है और इस प्रक्रिया में, कानून अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 19, या अनुच्छेद 31 का उल्लंघन करता है, तो कानून को केवल इस आधार पर असंवैधानिक और शून्य घोषित नहीं किया जाना चाहिए।
- बाद में संसद ने 1976 में 42वां संशोधन अधिनियम लाया, जिसने संविधान के भाग IV में निर्दिष्ट किसी भी डीपीएसपी को लागू करने के लिए किसी भी कानून को अपने दायरे में शामिल करके अनुच्छेद 31 C के उपरोक्त पहले प्रावधान का दायरा बढ़ाया, न कि केवल अनुच्छेद 39 (B) या (C) का। हालाँकि, इस विस्तार को सुप्रीम कोर्ट ने मिनर्वा मिल्स केस (1980) में असंवैधानिक और शून्य घोषित कर दिया था।
- इन दो निर्देशक सिद्धांतों (अनुच्छेद 39 (B) और अनुच्छेद 39 (C) के तहत DPSP को मौलिक अधिकार 14 (समानता का अधिकार) और मौलिक अधिकार 19 (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) पर वरीयता दी गई है।

13. भारतीय संविधान के भाग IV के तहत दिए गए निर्देशक सिद्धांतों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत या सहयोग के आधार पर कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना।
2. बुढ़ापे, बीमारी और विकलांगता के मामले में सार्वजनिक सहायता और काम पाने का अधिकार।
3. SC, ST और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना।
4. सहकारी समितियों के स्वैच्छिक गठन को बढ़ावा देना।

ऊपर दिए गए निर्देशक सिद्धांतों में से कितने गांधीवादी विचारधारा पर आधारित हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

Ans. C

व्याख्या:

- संविधान में निर्देशक सिद्धांतों का कोई वर्गीकरण नहीं है। हालाँकि, उनकी विषय-वस्तु और दिशा के आधार पर, उन्हें तीन व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है जैसे समाजवादी, गांधीवादी और उदार-बौद्धिक।
- गांधीवादी सिद्धांत गांधीवादी विचारधारा पर आधारित हैं। वे किस कार्यक्रम का प्रतिनिधित्व करते हैं?

- o ग्राम पंचायतों को संगठित करना और उन्हें स्वशासन की इकाइयों के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक शक्तियाँ और अधिकार प्रदान करना (अनुच्छेद 40)।
- o ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत या सहयोग के आधार पर कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना (अनुच्छेद 43)।
- o सहकारी समितियों के स्वैच्छिक गठन, स्वायत्त कामकाज, लोकतांत्रिक नियंत्रण और पेशेवर प्रबंधन को बढ़ावा देना (अनुच्छेद 43 B)।
- o एससी , ST और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना और उन्हें सामाजिक अन्याय और शोषण से बचाना (अनुच्छेद 46)।
- o मादक पेय और दवाइयों के सेवन पर प्रतिबंध लगाना जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं (अनुच्छेद 47)।
- o गायों, बछड़ों और अन्य दुधारू और वाहक मवेशियों के वध पर रोक लगाना और उनकी नस्लों में सुधार करना (अनुच्छेद 48)।
- काम करने, शिक्षा पाने और बेरोजगारी, बुढ़ापे, बीमारी और विकलांगता के मामलों में सार्वजनिक सहायता पाने के अधिकार को सुरक्षित करना (अनुच्छेद 41)। यह एक समाजवादी निर्देशक सिद्धांत है।
- इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।

14. सशस्त्र बलों पर मौलिक अधिकारों की प्रयोज्यता (applicability) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. संसद सशस्त्र बलों के सदस्यों के मौलिक अधिकारों को प्रतिबंधित कर सकती है लेकिन उनका हनन नहीं कर सकती।
2. 'सशस्त्र बलों के सदस्यों' की अभिव्यक्ति में न केवल सैनिक बल्कि मैकेनिक, रसोइया आदि जैसे नागरिक कर्मचारी भी शामिल हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. B

व्याख्या:

- अनुच्छेद 33 संसद को सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों, पुलिस बलों, खुफिया एजेंसियों और सदृश्य बलों के सदस्यों के मौलिक अधिकारों को प्रतिबंधित या 'निरस्त' करने का अधिकार देता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- इस प्रावधान का उद्देश्य उनके कर्तव्यों का उचित निर्वहन और उनके बीच अनुशासन बनाए रखना सुनिश्चित करना है।
- तदनुसार, संसद ने सेना अधिनियम (1950), नौसेना अधिनियम (1950), वायु बल अधिनियम (1950), पुलिस बल (अधिकारों का प्रतिबंध) अधिनियम, 1966, सीमा सुरक्षा बल अधिनियम, आदि।
- ये उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संघ बनाने के अधिकार, ट्रेड यूनियनों या राजनीतिक संगठनों के सदस्य होने के अधिकार, प्रेस

से संवाद करने के अधिकार, सार्वजनिक बैठकों या प्रदर्शनों में भाग लेने के अधिकार आदि पर प्रतिबंध लगाते हैं।

- अभिव्यक्ति सशस्त्र बलों के सदस्य नाई, बढई, मैकेनिक, रसोइया, चौकीदार, बूटमेकर, दर्जी जैसे सशस्त्र बलों के ऐसे कर्मचारियों को भी शामिल करते हैं जो गैर-लड़ाकू हैं। इसलिए, कथन 2 सही है।

15. लोकतंत्र के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. यह सरकार का एक रूप है जो आर्थिक विकास की गारंटी देता है।
2. यह सामाजिक विविधता को बढ़ावा देने और समायोजित करने का प्रयास करता है।
3. इसका उद्देश्य अपने नागरिकों की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 2
- (d) 1, 2 और 3

Ans. B

व्याख्या:

- लोकतंत्र सरकार का एक रूप है, जिसमें लोगों को अपने शासक विधायकों को चुनने का अधिकार होता है। 1950 से 2000 के मध्य के पचास वर्षों में, तानाशाही में आर्थिक विकास की दर थोड़ी अधिक रही। आर्थिक विकास कई कारकों पर निर्भर करता है: देश की जनसंख्या का आकार, वैश्विक स्थिति। कुल मिलाकर, हम यह नहीं कह सकते कि लोकतंत्र आर्थिक विकास की गारंटी है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- गैर-लोकतांत्रिक शासन अक्सर आंतरिक सामाजिक मतभेदों को नजरअंदाज कर देते हैं या उन्हें दबा देते हैं। लोकतंत्र आमतौर पर विभिन्न सामाजिक विभाजनों को समायोजित करने के लिए प्रक्रियाओं का विकास करते हैं जिससे सामंजस्यपूर्ण सामाजिक जीवन के निर्माण (विविधता में एकता) की अधिक संभावनाएं होती हैं। अतः कथन 2 सही है।
- व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में लोकतंत्र सरकार के किसी भी अन्य रूप से बेहतर है। भारत में लोकतंत्र ने वंचित और भेदभाव से पीड़ित जातियों के समान दर्जे और समान अवसर के दावों को मजबूत किया है। अतः कथन 3 सही है।

16. संविधान सभा की समितियों और उनके अध्यक्ष के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए-

समिति	अध्यक्ष
1. संघ संविधान समिति	: बीआर अंबेडकर
2. संचालन समिति	: जवाहरलाल नेहरू
3. संघ शक्ति समिति	: राजेंद्र प्रसाद

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

Ans. D

व्याख्या: संविधान सभा की प्रमुख समितियाँ:

- o संघ शक्ति समिति – जवाहरलाल नेहरू। इसलिए 3 सही मेल नहीं है।
- o संघ संविधान समिति – जवाहरलाल नेहरू। इसलिए 1 सही मेल नहीं है।
- o प्रांतीय संविधान समिति – सरदार पटेल
- o प्रारूप समिति – डॉ. बीआर अंबेडकर
- o मौलिक अधिकार, अल्पसंख्यक और जनजातीय तथा बहिष्कृत क्षेत्रों पर सलाहकार समिति – सरदार पटेल।

इस समिति में निम्नलिखित उप-समितियाँ थीं:

- मौलिक अधिकार उप-समिति – जेबी कृपलानी, अल्पसंख्यक उप-समिति – एचसी मुखर्जी, उत्तर-पूर्व सीमांत जनजातीय क्षेत्र और असम बहिष्कृत तथा आंशिक रूप से बहिष्कृत क्षेत्र उपसमिति – गोपीनाथ बारदोलोई
- बहिष्कृत और आंशिक रूप से बहिष्कृत क्षेत्र (असम के अलावा) उप-समिति – एवी ठक्कर
- o प्रक्रिया के नियम समिति – डॉ. राजेंद्र प्रसाद, राज्य समिति (राज्यों के साथ बातचीत के लिए समिति) – जवाहरलाल नेहरू, संचालन समिति – डॉ. राजेंद्र प्रसाद। अतः 2 सही सुमेलित नहीं है।

17. निम्नलिखित में से किसे भारत के संविधान के मूल ढांचे के तत्व माना जा सकता है?

1. व्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा
2. संविधान में संशोधन करने की संसद की सीमित शक्ति
3. संविधान का धर्मनिरपेक्ष चरित्र

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

Ans. D

- केशवानंद भारती मामले (1973) में सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के 'मूल ढांचे' (या 'मूल विशेषताओं') का एक नया सिद्धांत निर्धारित किया। हालाँकि, सर्वोच्च न्यायालय को अभी भी यह परिभाषित या स्पष्ट करना बाकी है कि संविधान का 'मूल ढांचा' क्या है।
- विभिन्न निर्णयों से, संविधान की 'मूल विशेषताओं' या संविधान के 'मूल ढांचे' के तत्वों के रूप में निम्नलिखित तत्व निर्दिष्ट हुए हैं:
 - o संविधान की सर्वोच्चता
 - o भारतीय राजनीति की संप्रभु, लोकतांत्रिक और गणतांत्रिक प्रकृति
 - o संविधान का धर्मनिरपेक्ष चरित्र
 - o विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का पृथक्करण

- o संविधान का संघीय चरित्र
 - o न्यायिक समीक्षा
 - o व्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा
 - o नागरिकों के बीच सामंजस्य और संतुलन
 - o स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव
 - o संविधान में संशोधन करने की संसद की सीमित शक्ति, आदि
- अतः सभी कथन सही हैं

18. भारत के अटॉर्नी जनरल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 76 भारत के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय का प्रावधान करता है।
2. वह भारत के सॉलिसिटर जनरल के अधीनस्थ है और उनकी सहायता करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. A

व्याख्या:

- सरकार न्यायालयों में प्रमुख वादी में से एक है और उन्हें कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न विधि अधिकारी हैं जिनमें अटॉर्नी जनरल, सॉलिसिटर जनरल और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल शामिल हैं।
- कथन 1 सही है: संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय का प्रावधान है और वह देश का सर्वोच्च विधि अधिकारी है। भारत का सॉलिसिटर जनरल अटॉर्नी जनरल को उसके आधिकारिक कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को पूरा करने में सहायता करता है।
- कथन 2 सही नहीं है: भारत का सॉलिसिटर जनरल भारत के अटॉर्नी जनरल के अधीनस्थ होता है। वे देश के दूसरे विधि अधिकारी होते हैं, अटॉर्नी जनरल की सहायता करते हैं और भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल द्वारा उनकी सहायता की जाती है।

19. '86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002' ने भारत के संविधान के निम्नलिखित प्रावधानों में से किसमें अनुच्छेद जोड़े?

1. मौलिक कर्तव्य
2. मौलिक अधिकार
3. राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये-

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

Ans. D

व्याख्या:

- 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 ने अनुच्छेद 51-ए के तहत संविधान के भाग IV-A में ग्यारहवां मौलिक कर्तव्य जोड़ा। इसमें कहा गया है “अपने बच्चे या प्रतिपाल्य को छह से चौदह वर्ष की आयु के बीच शिक्षा के अवसर प्रदान करना”। अतः कथन 1 सही है।
 - 86वें संविधान संशोधन अधिनियम ने अनुच्छेद 21A के तहत संविधान के भाग III में मौलिक अधिकार के रूप में ‘शिक्षा के अधिकार’ को भी जोड़ा। इसमें कहा गया है “राज्य छह से चौदह वर्ष की आयु के सभी बच्चों को इस तरह से मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगा, जैसा कि राज्य कानून द्वारा निर्धारित कर सकता है।” अतः कथन 2 सही है।
 - इसने राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों के तहत संविधान में नया अनुच्छेद 45 भी जोड़ा। इसमें कहा गया है, “राज्य छह वर्ष की आयु पूरी करने तक सभी बच्चों को प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करेगा।” अतः कथन 3 सही है।
20. अनुच्छेद 368 के तहत संविधान के संशोधन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
- संविधान के संशोधन के लिए विधेयक किसी निजी सदस्य द्वारा पेश नहीं किया जा सकता है।
 - विधेयक को प्रत्येक सदन में साधारण बहुमत से पारित किया जाना चाहिए।
 - विधेयक संशोधन के उद्देश्य से संयुक्त बैठक आयोजित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

- केवल 1 और 2
- केवल 3
- 1, 2 और 3
- केवल 2 और 3

Ans. B

व्याख्या:

- भारत के संविधान में बदलती परिस्थितियों और जरूरतों के अनुरूप खुद को समायोजित करने के लिए संशोधन का प्रावधान है। हालाँकि, इसके संशोधन के लिए निर्धारित प्रक्रिया न तो ब्रिटेन जितनी आसान है और न ही अमरीका जितनी कठिन है।
- अनुच्छेद 368 में निर्धारित संविधान संशोधन की प्रक्रिया इस प्रकार है:
 - संविधान में संशोधन केवल संसद के किसी भी सदन में इस उद्देश्य के लिए विधेयक पेश करके ही शुरू किया जा सकता है, राज्य विधानसभाओं में नहीं।
 - विधेयक को मंत्री या निजी सदस्य द्वारा पेश किया जा सकता है और इसके लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। अतः कथन 1 सही नहीं है।

- विधेयक को प्रत्येक सदन में विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, अर्थात् सदन की कुल सदस्यता के बहुमत और सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों का बहुमत। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- प्रत्येक सदन को विधेयक को अलग से पारित करना होगा। दोनों सदनों के बीच असहमति की स्थिति में, विधेयक पर विचार-विमर्श और पारित करने के उद्देश्य से दोनों सदनों की संयुक्त बैठक आयोजित करने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए कथन 3 सही है।
- यदि विधेयक संविधान के संघीय प्रावधानों में संशोधन करना चाहता है, तो इसे आधे राज्यों की विधानसभाओं द्वारा साधारण बहुमत से अनुमोदित किया जाना चाहिए, अर्थात् सदन के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का बहुमत।

21. मौलिक कर्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है ?

- मौलिक कर्तव्यों को कुछ अन्य कानूनी प्रावधानों के माध्यम से लागू किया जा सकता है।
- वे कानून की संवैधानिक वैधता की जाँच करने में अदालतों की मदद करते हैं।
- मौलिक कर्तव्यों को भारत में रहने वाले विदेशियों पर भी लागू किया जा सकता है।
- संप्रभुता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना एक मौलिक कर्तव्य है।

Ans. C

व्याख्या:

- मौलिक कर्तव्य कानून द्वारा प्रवर्तनीय हैं। संसद किसी भी मौलिक कर्तव्य का पालन न करने पर उचित दंड लगाने का प्रावधान कर सकती है। न्यायमूर्ति वर्मा समिति ने 1999 में कुछ मौलिक कर्तव्यों के कार्यान्वयन के लिए कानूनी प्रावधानों की पहचान की थी।
- मौलिक कर्तव्य न्यायालय को किसी कानून की संवैधानिक वैधता का निर्धारण करने और उसकी जाँच करने में मदद करते हैं। 1992 में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि किसी कानून की संवैधानिकता निर्धारित करने में यदि वह कानून किसी मौलिक कर्तव्य को प्रभावी करता है तो उसे अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) और अनुच्छेद 19 (छह स्वतंत्रताएं) के संबंध में उचित माना जाएगा और ऐसे कानून को असंवैधानिक नहीं कहा जाएगा।
- मौलिक कर्तव्य केवल नागरिकों तक ही सीमित हैं और विदेशियों तक नहीं बढ़ाए गए हैं। हालाँकि, कुछ मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 15, अनुच्छेद 16, अनुच्छेद 19, अनुच्छेद 29, अनुच्छेद 30 को छोड़कर) विदेशियों को भी दिए गए हैं।
- भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना एक मौलिक कर्तव्य है।
- इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।

22. निम्नलिखित में से किस स्थिति में राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना अनुचित होगा ?

1. आम चुनावों के बाद त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में।
2. जहाँ कोई मंत्रिमंडल इस्तीफा दे देता है और कोई अन्य पार्टी बहुमत प्राप्त करके मंत्रिमंडल बनाने में सक्षम नहीं होती है।
3. भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण राज्य में कुप्रशासन।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये-

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) केवल 1 और 3

Ans. B

व्याख्या:

- किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करना निम्नलिखित स्थितियों में उचित होगा:
 - o जहाँ विधानसभा के आम चुनावों के बाद, किसी भी पार्टी को बहुमत हासिल नहीं होता है, अर्थात् 'त्रिशंकु विधानसभा'। अतः कथन 1 सही नहीं है।
 - o जहाँ विधानसभा में बहुमत वाली पार्टी मंत्रालय बनाने से इनकार कर देती है और राज्यपाल विधानसभा में बहुमत हासिल करने वाला गठबंधन मंत्रालय नहीं ढूँढ पाता है।
 - o जहाँ विधानसभा में हार के बाद एक मंत्रालय इस्तीफा दे देता है और कोई अन्य पार्टी विधानसभा में बहुमत हासिल करने वाला मंत्रालय बनाने के लिए तैयार या सक्षम नहीं होती है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
 - o जहाँ केंद्र सरकार के संवैधानिक निर्देश की राज्य सरकार द्वारा अवहेलना की जाती है।
 - o आंतरिक तोड़फोड़, उदाहरण के लिए, कोई सरकार जानबूझकर संविधान और कानून के खिलाफ काम कर रही है या हिंसक विद्रोह को भड़का रही है।
 - o शारीरिक टूट-फूट, जहाँ सरकार राज्य की सुरक्षा को खतरे में डालते हुए अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करने से जानबूझकर इनकार कर देती है।
- किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करना निम्नलिखित स्थितियों में अनुचित होगा:
 - o जहाँ कोई मंत्रालय विधानसभा में बहुमत का समर्थन खोने पर इस्तीफा दे देता है या बर्खास्त कर दिया जाता है और राज्यपाल वैकल्पिक मंत्रालय बनाने की संभावना की जांच किए बिना राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश करता है।
 - o जहाँ राज्यपाल विधानसभा में किसी मंत्रालय के समर्थन का अपना आकलन करता है और मंत्रालय को विधानसभा में बहुमत साबित करने की अनुमति दिए बिना राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश करता है।
 - o जहाँ विधानसभा में बहुमत का समर्थन प्राप्त सत्तारूढ़ दल को 1977 और 1980 जैसे लोकसभा के आम चुनावों में भारी हार का सामना करना पड़ा है।

- o आंतरिक गड़बड़ी जो आंतरिक तोड़फोड़ या शारीरिक टूट-फूट के बराबर न हो।
- o राज्य में कुप्रशासन या मंत्रालय के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप या राज्य की कड़ी वित्तीय जरूरतें। अतः कथन 3 सही है।
- o जहाँ राज्य सरकार को खुद को सुधारने के लिए पूर्व चेतावनी नहीं दी जाती
- o जहाँ सत्ता का प्रयोग सत्तारूढ़ दल की अंतर-दलीय समस्याओं को सुलझाने के लिए किया जाता है, या किसी ऐसे उद्देश्य के लिए किया जाता है जो संविधान द्वारा प्रदान किए गए उद्देश्य से भिन्न या अप्रासंगिक हो।

23. निम्नलिखित में से कौन-सा/से एक लोकतांत्रिक देश में संविधान के कार्य है/हैं ?

1. यह सरकार की शक्ति की जाँच करता है।
2. यह राजनीतिक आत्मनिर्णय के साधन के रूप में कार्य करता है।
3. यह शांतिपूर्ण तरीके से सामाजिक परिवर्तन लाने के साधन के रूप में कार्य करता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

Ans. D

व्याख्या:

- यह व्यापक रूप से समर्थित है कि संविधान होने का एक कारण सत्ता के प्रयोग को प्रतिबंधित करने की आवश्यकता है। दुनिया भर में राज्य शक्ति का अनुभव दर्शाता है कि अधिकांश राज्य कम से कम कुछ व्यक्तियों और समूहों के हितों को नुकसान पहुँचाने के लिए प्रवृत्त होते हैं। यदि ऐसा है, तो हमें इसके नियमों को इस तरह से तैयार करने की आवश्यकता है कि राज्यों की इस प्रवृत्ति को लगातार जाँच की जाए। संविधान ये बुनियादी नियम प्रदान करते हैं और इसलिए, राज्यों को अत्याचारी बनने से रोकते हैं। इसलिए कथन 1 सही है।
- संविधान सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक साधन भी प्रदान करते हैं। इसलिए कथन 3 सही है।
- इसके अलावा, अब तक उपनिवेशित लोगों के लिए, संविधान राजनीतिक आत्मनिर्णय के पहले वास्तविक प्रयोग की घोषणा करता है और उसे मूर्त रूप देता है। इसलिए कथन 2 सही है

24. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन विभिन्न अधिनियमों के माध्यम से अंग्रेजों द्वारा शुरू किए गए संवैधानिक सुधारों के संदर्भ में सही है?

1. 1935 के भारत सरकार अधिनियम ने केंद्र में द्वैध शासन की शुरुआत की।
2. 1909 के भारतीय परिषद अधिनियम ने सिखों और एंग्लो-इंडियन के लिए सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व की शुरुआत की।
3. 1892 के भारतीय परिषद अधिनियम ने विधायिका को बजट पर चर्चा करने की शक्ति दी।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2
- (d) 1, 2 और 3

Ans. B

व्याख्या:

- **भारत सरकार अधिनियम 1935:** यह ब्रिटिश संसद द्वारा पारित सबसे लंबा अधिनियम था, जिसमें भारत के एक संघ की स्थापना का प्रावधान था, जो ब्रिटिश भारत के प्रांतों और कुछ या सभी रियासतों से मिलकर बना होता। इसके मुख्य प्रावधान थे:
 - प्रांतीय द्वैध शासन को समाप्त करना और केंद्र में द्वैध शासन की शुरुआत करना। अतः कथन 1 सही है।
 - भारतीय परिषद को समाप्त करना और उसके स्थान पर एक सलाहकार निकाय की शुरुआत करना।
 - ब्रिटिश भारतीय क्षेत्रों और रियासतों के साथ एक अखिल भारतीय संघ का प्रावधान।
 - अल्पसंख्यकों के लिए विस्तृत सुरक्षा उपाय और सुरक्षात्मक उपकरण।
 - ब्रिटिश संसद की सर्वोच्चता।
 - विधायिकाओं के आकार में वृद्धि, मताधिकार का विस्तार, विषयों को तीन सूचियों में विभाजन और सांप्रदायिक निर्वाचन क्षेत्र को बनाए रखना।
 - भारत से बर्मा को अलग करना
- **भारत सरकार अधिनियम 1919:** द्वैध शासन, दोहरी सरकार की एक प्रणाली ब्रिटिश भारत के प्रांतों के लिए शुरू की गई थी। इसने भारत के ब्रिटिश प्रशासन की कार्यकारी शाखा में लोकतांत्रिक सिद्धांत का पहला परिचय दिया। इस प्रकार, पहली बार, प्रांतीय स्तर पर जिम्मेदार सरकार देखी गई।
 - प्रांतीय विधान सभाओं का आकार बढ़ाया गया। अब लगभग 70% सदस्य चुने गए।
 - सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व बढ़ाया गया और सिखों, यूरोपीय और एंग्लो इंडियन को शामिल किया गया। कुछ महिलाएं भी वोट दे सकती थीं। 1921 में, बॉम्बे (अब मुंबई) और मद्रास (अब चेन्नई) महिलाओं को सीमित वोट देने वाले पहले प्रांत बने। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।

- इस अधिनियम ने केंद्रीय विधायिका को द्विसदनीय बना दिया।
- 1892 का भारतीय परिषद अधिनियम: इसने केंद्रीय और प्रांतीय विधान परिषदों में अतिरिक्त (गैर-आधिकारिक) सदस्यों की संख्या में वृद्धि की लेकिन उनमें आधिकारिक बहुमत बनाए रखा।
- इसने विधायिका को पहली बार बजट पर चर्चा करने और कार्यपालिका को प्रश्न संबोधित करने की शक्ति दी। अतः कथन 3 सही है।

25. संविधान के निम्नलिखित भागों में से कौन-सा/से न्यायालयों द्वारा गैर-न्यायसंगत है/हैं?

1. मौलिक अधिकार
2. मौलिक कर्तव्य
3. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

Ans. C

व्याख्या:

- मौलिक कर्तव्य प्रकृति में गैर-न्यायसंगत हैं क्योंकि उनके उल्लंघन के खिलाफ कोई कानूनी मंजूरी नहीं है। इसके अलावा, संविधान अदालतों द्वारा उनके प्रत्यक्ष प्रवर्तन का प्रावधान नहीं करता है। हालांकि, संसद उपयुक्त कानून द्वारा उन्हें लागू करने के लिए स्वतंत्र है। इसलिए कथन 2 सही है।
- राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत भी प्रकृति में गैर-न्यायसंगत हैं। वे अपने उल्लंघन के लिए अदालतों द्वारा कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं हैं। इसका अर्थ है कि सरकार को उन्हें लागू करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है।
- हालांकि, अनुच्छेद 37 कहता है कि ये सिद्धांत देश के शासन में मौलिक हैं अतः कथन 3 सही है।
- मौलिक अधिकार न्यायोचित हैं। और पीड़ित व्यक्ति अपने अधिकारों के उल्लंघन के लिए अदालतों में जा सकता है। उनका बचाव सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किया जाता है और पीड़ित व्यक्ति सीधे सर्वोच्च न्यायालय में जा सकता है। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।

26. निम्नलिखित में से किसने राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों (DPSP) को 'राज्य के अधिकारियों के लिए नैतिक उपदेश' के रूप में वर्णित किया?

- (a) एलएम सिंघवी
- (b) बेनेगल नरसिंह राव
- (c) राजेंद्र प्रसाद
- (d) बीआर अंबेडकर

Ans. B

व्याख्या:

- बेनेगल नरसिंह राव (बीएन राव) ने कहा कि “निर्देशक सिद्धांत राज्य प्राधिकारियों के लिए नैतिक उपदेशों की प्रकृति के हैं और इस आलोचना के लिए खुले हैं कि संविधान नैतिक उपदेशों का स्थान नहीं है। लेकिन उनका एक शिक्षाप्रद मूल्य है और अधिकांश आधुनिक संविधान इस तरह के सामान्य सिद्धांत निर्धारित करते हैं।” इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।
- बेनेगल नरसिंह राव संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार थे।

27. भारत सरकार किसी व्यक्ति को नागरिकता प्रमाणपत्र दे सकती है, यदि-

1. वह किसी देश का नागरिक है और उस देश की नागरिकता त्यागने का वचन देता है।
2. उसे संविधान की आठवीं अनुसूची में निर्दिष्ट किसी भाषा का पर्याप्त ज्ञान है।
3. वह पिछले सात वर्षों से लगातार भारत में रह रहा है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

Ans. B

व्याख्या:

- केंद्र सरकार किसी व्यक्ति (अवैध प्रवासी नहीं) को, किसी आवेदन पर, प्राकृतिककरण का प्रमाण पत्र प्रदान कर सकती है यदि उसके पास निम्नलिखित योग्यताएं हैं:
 - o वह किसी ऐसे देश का नागरिक नहीं है जहां भारत के नागरिकों को प्राकृतिककरण द्वारा उस देश के नागरिक बनने से रोका जाता है।
 - o यदि वह किसी ऐसे देश का नागरिक है, तो वह भारतीय नागरिकता के लिए अपने आवेदन को स्वीकार किए जाने की स्थिति में उस देश की नागरिकता का त्याग करने का वचन देता है। अतः कथन 1 सही है।
 - o यदि उसने आवेदन की तारीख से तुरंत पहले बारह महीनों की अवधि के दौरान या तो भारत में निवास किया है या भारत में किसी सरकार की सेवा में रहा है या आंशिक रूप से एक और आंशिक रूप से दूसरे में रहा है।
 - o यदि बारह महीनों की उक्त अवधि से तुरंत पहले के चौदह वर्षों के दौरान, उसने या तो भारत में निवास किया है या भारत में किसी सरकार की सेवा में रहा है या आंशिक रूप से एक और आंशिक रूप से दूसरे में, कुल मिलाकर ग्यारह वर्ष से कम समय के लिए रहा है। अतः कथन 3 सही नहीं है।
 - o यदि वह अच्छे चरित्र का है। और उसे संविधान की आठवीं अनुसूची में निर्दिष्ट किसी भाषा का पर्याप्त ज्ञान है। इसलिए कथन 2 सही है।

28. भारत के संविधान में मूल रूप से नागरिकता से संबंधित निम्नलिखित में से कौन-से प्रावधान किए गए थे?

1. संविधान लागू होने के बाद नागरिकता प्राप्त करने के तरीके।
2. भारत के बाहर रहने वाले भारतीय मूल के व्यक्तियों के पंजीकरण का वर्णन करने वाली प्रक्रिया।
3. पाकिस्तान से भारत आए लोगों को नागरिकता के अधिकार देने की व्यवस्था।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

Ans. B

व्याख्या:

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 5 से 8 के तहत केवल उन व्यक्तियों के वर्ग को निर्धारित किया गया है जो संविधान के प्रारंभ के समय नागरिक हो सकते हैं। प्रारंभ के बाद नागरिकता प्राप्त करने के तरीके को कानून बनाने के लिए संसद पर छोड़ दिया गया था। तदनुसार, नागरिकता अधिनियम 1955 लागू किया गया था। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- संविधान के अनुच्छेद 8 के तहत, एक व्यक्ति जो, या जिसके माता-पिता या दादा-दादी में से कोई भी अविभाजित भारत में पैदा हुआ था, लेकिन जो आमतौर पर भारत से बाहर रह रहा है, पंजीकरण के माध्यम से भारतीय नागरिक बन जाएगा। इसलिए कथन 2 सही है।
- अनुच्छेद 5 से 8 के तहत संवैधानिक प्रावधान निम्नलिखित की नागरिकता स्पष्ट करते हैं:
 - o भारत में अधिवासित व्यक्ति;
 - o पाकिस्तान से पलायन करने वाले व्यक्ति; इसलिए कथन 3 सही है।
 - o व्यक्ति पाकिस्तान चले गए लेकिन बाद में वापस लौट आए।

29. निम्नलिखित में से कौनसे निर्देशक सिद्धांत संवैधानिक संशोधन अधिनियमों के माध्यम से जोड़े गए थे?

1. समान न्याय को बढ़ावा देना और गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना।
2. पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना और वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करना।
3. आय, स्थिति, सुविधाओं और अवसरों में असमानताओं को कम करना।
4. लोगों के पोषण और जीवन स्तर को ऊपर उठाना और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करना

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) केवल 1, 2 और 4

Ans. A

व्याख्या:

- 1976 के 42वें संशोधन अधिनियम ने मूल सूची में चार नए निर्देशक सिद्धांत जोड़े। वे हैं-
 - o बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए अवसर सुरक्षित करना (अनुच्छेद 39)।
 - o समान न्याय को बढ़ावा देना और गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना (अनुच्छेद 39 A)।
 - o उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी सुरक्षित करने के लिए कदम उठाना (अनुच्छेद 43 A)।
 - o पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना तथा वनों और वन्यजीवों को सुरक्षित रखना (अनुच्छेद 48 A)।
- 1978 के 44वें संशोधन अधिनियम ने एक और निर्देशक सिद्धांत जोड़ा, जिसके तहत राज्य को आय, स्थिति, सुविधाओं और अवसरों में असमानताओं को कम करने की आवश्यकता होती है (अनुच्छेद 38)।
- 2002 के 86वें संशोधन अधिनियम ने अनुच्छेद 45 की विषय वस्तु को बदल दिया और प्रारंभिक शिक्षा को अनुच्छेद 21A के तहत मौलिक अधिकार बना दिया। संशोधित निर्देश में राज्य को सभी बच्चों के लिए बचपन की देखभाल और शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता है जब तक कि वे छह वर्ष की आयु पूरी नहीं कर लेते।
- 2011 के 97वें संशोधन अधिनियम ने सहकारी समितियों से संबंधित एक नया निर्देशक सिद्धांत जोड़ा। इसमें राज्य को सहकारी समितियों के स्वैच्छिक गठन, स्वायत्त कामकाज, लोकतांत्रिक नियंत्रण और पेशेवर प्रबंधन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है (अनुच्छेद 43 B)।
- लोगों के पोषण के स्तर और जीवन स्तर को ऊपर उठाना और अनुच्छेद 47 के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार संविधान को अपनाने के बाद से ही है अतः इसे संशोधन के माध्यम से नहीं जोड़ा गया है। इसलिए विकल्प (A) सही उत्तर है।

30. निम्नलिखित में से कितने मौलिक अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को उपलब्ध हैं?

1. धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध।
2. पेशे की स्वतंत्रता
3. अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रशासन करने का अधिकार
4. मानव तस्करी और जबर्न श्रम पर प्रतिबंध।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

Ans. C

व्याख्या:

- हमारे संविधान का भाग तीन सभी नागरिकों को छह मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है:
 - o समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)

- o स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)
- o शोषण के खिलाफ अधिकार (अनुच्छेद 23-24)
- o धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)
- o सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29-30)
- o संवैधानिक उपचार का अधिकार (अनुच्छेद 32)
- इनमें से कुछ मौलिक अधिकार विशेष रूप से भारत के नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं और विदेशियों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वो हैं-
 - o अनुच्छेद 15: धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध।
 - o अनुच्छेद 16: सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता।
 - o अनुच्छेद 19: (i) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, (ii) विधानसभा, (iii)
 - संघ, (iv) आंदोलन, (v) निवास, और (vi) पेशे के बारे में छह अधिकारों का संरक्षण।
 - o अनुच्छेद 29: अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा
 - o अनुच्छेद 30: शैक्षिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन के लिए अल्पसंख्यकों के अधिकार
 - मानव तस्करी और मजबूर श्रम पर प्रतिबंध विदेशियों और भारतीय नागरिकों दोनों के लिए उपलब्ध है। इसलिए विकल्प (A) सही उत्तर है।

31. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. केवल एक पीड़ित व्यक्ति ही क्वो-वारंटो रिट की मांग कर सकता है।
2. किसी निजी व्यक्ति के विरुद्ध परमादेश जारी नहीं किया जा सकता।
3. प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ भी उत्प्रेषण-पत्र जारी किया जा सकता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

Ans. C

व्याख्या:

- क्वो वारंटो का अर्थ है 'किस अधिकार या वारंट द्वारा'। यह न्यायालय द्वारा किसी व्यक्ति के सार्वजनिक पद पर दावे की वैधता की जांच करने के लिए जारी किया जाता है। इसलिए, यह किसी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक पद के अवैध हड़पने को रोकता है।
- रिट केवल किसी कानून या संविधान द्वारा बनाए गए स्थायी चरित्र के मूल सार्वजनिक कार्यालय के मामले में जारी की जा सकती है। इसे मंत्री पद या निजी कार्यालय के मामलों में जारी नहीं किया जा सकता है।
- कोई भी इच्छुक व्यक्ति और जरूरी नहीं कि पीड़ित व्यक्ति ही क्वो वारंटो रिट की मांग कर सकता है। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- परमादेश का शाब्दिक अर्थ है 'हम आदेश देते हैं'। यह न्यायालय द्वारा

किसी सार्वजनिक अधिकारी को जारी किया गया आदेश है जो उसे उन आधिकारिक कर्तव्यों को निभाने के लिए कहता है जिन्हें वह निभाने में विफल रहा है या करने से इनकार कर दिया है।

- इसे उसी उद्देश्य के लिए किसी सार्वजनिक निकाय, निगम, अवर न्यायालय, न्यायाधिकरण या सरकार के खिलाफ भी जारी किया जा सकता है।
- परमादेश रिट किसी निजी व्यक्ति या निकाय के विरुद्ध जारी नहीं की जा सकती। अतः कथन 2 सही है।
- उत्प्रेषण रिट का अर्थ है 'प्रमाणित होना' या 'सूचित होना'। यह उच्च न्यायालय द्वारा निचली अदालत या न्यायाधिकरण को या तो लंबित मामले को अपने पास स्थानांतरित करने के लिए या किसी मामले में आदेश को रद्द करने के लिए जारी किया जाता है।
- 1991 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि व्यक्तियों के अधिकारों को प्रभावित करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ भी सर्टिफिकेट जारी किया जा सकता है। इसलिए, कथन 3 सही है।

32. समान नागरिक संहिता (UCC) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारतीय संविधान के अनुच्छेद-44 के तहत, राज्य पूरे भारत में समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास करेगा।
2. वर्तमान में, गुजरात एकमात्र ऐसा राज्य है जिसके पास समान नागरिक संहिता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. A

व्याख्या:

- एक समान नागरिक संहिता वह है जो पूरे देश के लिए एक कानून प्रदान करेगी, जो सभी धार्मिक समुदायों पर उनके व्यक्तिगत मामलों जैसे विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने आदि में लागू होगी। संविधान का अनुच्छेद 44 यह निर्धारित करता है कि राज्य भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास करेगा। इसलिए, कथन 1 सही है।
- अनुच्छेद 44 राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में से एक है। ये, जैसा कि अनुच्छेद 37 में परिभाषित किया गया है, न्यायोचित नहीं हैं (किसी भी न्यायालय द्वारा लागू नहीं किए जा सकते हैं) लेकिन इसमें दिए गए सिद्धांत शासन में मौलिक हैं।
- गोवा भारत का एकमात्र राज्य है जिसमें धर्म, लिंग, जाति की परवाह किए बिना समान नागरिक संहिता है। गोवा में एक समान पारिवारिक कानून है। हाल ही में, भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) ने गोवा के समान नागरिक संहिता की सराहना की।

33. भारतीय संविधान की प्रस्तावना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. प्रस्तावना को संविधान सभा द्वारा संविधान के बाकी हिस्सों को अधिनियमित करने से पहले अधिनियमित किया गया था।
2. प्रस्तावना 1946 में जवाहरलाल नेहरू द्वारा तैयार और पेश किए गए 'उद्देश्य प्रस्ताव' पर आधारित है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. B

व्याख्या:

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा तैयार और पेश किए गए 'उद्देश्य प्रस्ताव' पर आधारित है। इसे 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया था। अतः कथन 2 सही है।
- प्रस्तावना को अपनाने के बाद, यह संविधान का हिस्सा बन जाती है। इसलिए, प्रस्तावना पर सर्वोच्च न्यायालय की वर्तमान राय संस्थापक जनकों की राय के अनुरूप है।
- संविधान के बाकी हिस्सों को संविधान सभा द्वारा अधिनियमित किए जाने के बाद ही प्रस्तावना को अधिनियमित किया गया था। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- प्रस्तावना को अंत में अधिनियमित करने का कारण यह सुनिश्चित करना था कि यह संविधान सभा द्वारा अपनाए गए संविधान के अनुरूप हो।

34. निम्नलिखित में से किस ऐतिहासिक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह वर्णित किया कि भारतीय संविधान मौलिक अधिकारों और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों के बीच संतुलन की आधारशिला पर स्थापित है?

- (a) चम्पकम दोराईराजन बनाम मद्रास राज्य
- (b) मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ
- (c) केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
- (d) मेनका गांधी बनाम भारत संघ

Ans. B

व्याख्या:

- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक अधिकारों की व्याख्या करते समय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आरंभ में निर्देशक सिद्धांतों की अनदेखी की गई थी। 1973 में केशवानंद भारती के मामले में ऐतिहासिक निर्णय के पश्चात ही सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि निर्देशक सिद्धांतों को उन दिशा-निर्देशों के रूप में देखा जाना चाहिए जिनके द्वारा मौलिक अधिकारों को साकार किया जाता है।
- 1980 के मिनर्वा मिल्स मामले में न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती ने वर्णन किया कि "भारतीय संविधान मौलिक अधिकारों और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों के बीच संतुलन की नींव पर स्थापित है।

एक को दूसरे पर पूर्ण प्राथमिकता देना संविधान के सामंजस्य को बिगाड़ना है। यह सामंजस्य और संतुलन संविधान के मूल ढांचे की एक आवश्यक विशेषता है।”

- चम्पकम में दोराईराजन मामले (1951) में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि मौलिक अधिकारों और निर्देशक सिद्धांतों के बीच किसी भी संघर्ष की स्थिति में, पूर्व वाला ही प्रबल होगा।
- मेनका गांधी का मामला अनुच्छेद 21 के कार्यान्वयन के लिए एक ऐतिहासिक मामला है। इस मामले में, अदालत ने कहा कि अनुच्छेद 21 में अभिव्यक्ति ‘व्यक्तिगत स्वतंत्रता’ सबसे व्यापक आयाम की है और इसमें विभिन्न प्रकार के अधिकार शामिल हैं जो मनुष्य की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का गठन करते हैं और उनमें से कुछ को अलग मौलिक अधिकारों का दर्जा दिया गया है और अनुच्छेद 19 के तहत अतिरिक्त सुरक्षा दी गई है। इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।

35. राज्य लोक सेवा आयोग (SPSC) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

- (a) इसके सदस्यों की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- (b) SPSC का सेवानिवृत्त सदस्य UPSC के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र है।
- (c) आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की पेंशन भारत की संचित निधि से ली जाती है।
- (d) सरकार को की गई सिफारिशें सलाहकार प्रकृति की होती हैं।

Ans. C

व्याख्या:

- भारत का संविधान केंद्र स्तर पर संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की तरह राज्य स्तर पर राज्य लोक सेवा आयोग (SPSC) का प्रावधान करता है। संविधान के अनुच्छेद 315 से 323 SPSC की संरचना, सदस्यों की नियुक्ति और हटाने, कार्यों, शक्तियों और स्वतंत्रता से संबंधित हैं।
- विकल्प (c) सही नहीं है: SPSC के अध्यक्ष और सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन सहित SPSC का खर्च राज्य के समेकित कोष (और भारत के समेकित कोष पर नहीं) पर लगाया जाता है। वे राज्य विधानमंडल के वोट के अधीन नहीं हैं। इसके अलावा, अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तों को उनके नुकसान के लिए अलग नहीं किया जा सकता है।

36. निम्नलिखित में से कितने प्रावधान राज्यों की सहमति के बिना संसद के विशेष बहुमत द्वारा संशोधित किए जा सकते हैं?

1. संसद में प्रक्रिया के नियम
2. मौलिक अधिकार
3. राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत
4. राष्ट्रपति का चुनाव और उसका तरीका

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

Ans. B

व्याख्या:

- विकल्प 1 सही नहीं है: संविधान के कई प्रावधानों को अनुच्छेद 368 के दायरे से बाहर संसद के दोनों सदनों के साधारण बहुमत से संशोधित किया जा सकता है। इन प्रावधानों में शामिल हैं:
 - o संसद में कोरम
 - o संसद सदस्यों के वेतन और भत्ते
 - o संसद में प्रक्रिया के नियम
 - o संसद, उसके सदस्यों और उसकी समितियों के विशेषाधिकार
 - o संसद में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग
- विकल्प 4 सही नहीं है: संविधान के वे प्रावधान जो राजनीति के संघीय ढांचे से संबंधित हैं, संसद के विशेष बहुमत से और राज्य विधानसभाओं के आधे सदस्यों की सहमति से साधारण बहुमत से संशोधित किए जा सकते हैं। इस तरह से निम्नलिखित प्रावधानों में संशोधन किया जा सकता है:
 - o राष्ट्रपति का चुनाव और उसका तरीका।
 - o संघ और राज्यों की कार्यकारी शक्ति की सीमा।
 - o सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय।
 - o संघ और राज्य के बीच विधायी शक्तियों का वितरण।
- विकल्प 2 और 3 सही हैं: संविधान के अधिकांश प्रावधानों को संसद के विशेष बहुमत से संशोधित करने की आवश्यकता है, अर्थात् प्रत्येक सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और प्रत्येक सदन के उपस्थित और मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों का बहुमत। जिन प्रावधानों में इस तरह से संशोधन किया जा सकता है उनमें शामिल हैं:
 - मौलिक अधिकार
 - राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत

37. भारत और पड़ोसी देश ‘X’ के बीच सीमा विवाद है। यदि उस विवाद को भारत को अपना कोई भी क्षेत्र दिए बिना सुलझाना है, तो यह इस प्रकार किया जा सकता है-

- (a) संसद द्वारा साधारण बहुमत से कानून पारित करना।
- (b) किसी संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता के बिना कार्यकारी कार्रवाई करना।
- (c) विशेष बहुमत द्वारा संवैधानिक संशोधन और आधे राज्य विधानसभाओं की सहमति।
- (d) विशेष बहुमत द्वारा संवैधानिक संशोधन।

Ans. B

व्याख्या:

- सर्वोच्च न्यायालय ने 1969 में फैसला दिया था कि भारत और किसी अन्य देश के बीच सीमा विवाद के निपटारे के लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता नहीं है। यह कार्यकारी कार्रवाई द्वारा किया जा सकता है क्योंकि इसमें किसी विदेशी देश को भारतीय क्षेत्र का अधिग्रहण शामिल नहीं है। इसलिए विकल्प (b) सही उत्तर है।
- जबकि केंद्र सरकार के बेरुबारी संघ (पश्चिम बंगाल) के रूप में ज्ञात एक क्षेत्र के हिस्से को पाकिस्तान को सौंपने के फैसले से राजनीतिक आंदोलन और विवाद पैदा हो गया और इस तरह राष्ट्रपति के संदर्भ की आवश्यकता हुई।

- सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि (अनुच्छेद 3 के तहत) किसी राज्य के क्षेत्र को कम करने की संसद की शक्ति भारतीय क्षेत्र को किसी विदेशी देश को सौंपने को कवर नहीं करती है। इसलिए, भारतीय क्षेत्र को केवल अनुच्छेद 368 के तहत संविधान में संशोधन करके एक विदेशी राज्य को सौंपा जा सकता है। परिणामस्वरूप, उक्त क्षेत्र को पाकिस्तान को हस्तांतरित करने के लिए 9वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम (1960) लागू किया गया।

38. निम्नलिखित में से कितने मौलिक अधिकार राज्य और निजी व्यक्तियों दोनों की कार्रवाइयों के विरुद्ध व्यक्तियों की रक्षा करता है?

1. अनुच्छेद 17
2. अनुच्छेद 23
3. अनुच्छेद 24

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

Ans. C

व्याख्या:

- संविधान के भाग तीन में सभी मौलिक अधिकार राज्य की कार्रवाइयों के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करते हैं, लेकिन कुछ निजी व्यक्तियों की कार्रवाइयों के विरुद्ध भी उपलब्ध हैं। ये हैं-
 - o अनुच्छेद 15(2): इसमें कहा गया है कि कोई भी नागरिक केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी के आधार पर किसी भी विकलांगता, दायित्व, प्रतिबंध या शर्त के अधीन नहीं होगा।
- दुकानों, सार्वजनिक रेस्तरां, होटलों और सार्वजनिक मनोरंजन के महलों तक पहुंच या
- कुओं, टैंकों, स्नान घाटों, सड़कों और सार्वजनिक रिसॉर्ट के स्थानों का उपयोग जो पूरी तरह या आंशिक रूप से राज्य के धन से बनाए रखा जाता है या आम जनता के उपयोग के लिए समर्पित है।
 - o अनुच्छेद 17: यह 'अस्पृश्यता' को समाप्त करता है और किसी भी रूप में इसके अभ्यास को मना करता है।
 - o अनुच्छेद 23: यह मानव तस्करी, बेगार (जबरन श्रम) और अन्य समान प्रकार के जबरन श्रम पर प्रतिबंध लगाता है।
 - o अनुच्छेद 24: यह किसी भी कारखाने, खदान या निर्माण कार्य या रेलवे जैसी अन्य खतरनाक गतिविधियों में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध लगाता है।
- उपरोक्त लेखों के तहत अधिकारों के उल्लंघन के लिए, निजी व्यक्तियों के खिलाफ भी उपचार उपलब्ध हैं अतः राज्य को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उचित कार्रवाई की जाए।

39. अनुच्छेद 19 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अनुच्छेद 19 के तहत सहकारी समितियां बनाने का अधिकार संवैधानिक संशोधन के माध्यम से जोड़ा गया है।
2. इस अनुच्छेद के तहत अधिकार कानूनी व्यक्तियों जैसे कंपनियों को उपलब्ध नहीं हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. C

व्याख्या:

- अनुच्छेद 19 सभी नागरिकों को छह अधिकारों की गारंटी देता है।
- संविधान के 97वें संशोधन ने लोगों के सहकारी समितियों के गठन के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देते हुए सहकारी समितियों को अनुच्छेद 19(1)(c) में शामिल किया है। इसलिए, कथन 1 सही है।
- ये छह अधिकार केवल राज्य कार्रवाई के खिलाफ संरक्षित हैं, निजी व्यक्तियों के खिलाफ नहीं। इसके अलावा, ये अधिकार केवल नागरिकों और किसी कंपनी के शेयरधारकों के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन विदेशियों या कंपनियों या निगमों आदि जैसे कानूनी व्यक्तियों के लिए नहीं। इसलिए, कथन 2 सही है

40. भारतीय और ब्रिटिश राजव्यवस्था के बीच अंतर के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारतीय प्रणाली संसद की संप्रभुता के सिद्धांत पर आधारित है जबकि ब्रिटेन में संसद सर्वोच्च नहीं है।
2. भारत में मंत्री की वैधानिक उत्तरदायित्व की प्रणाली नहीं है, लेकिन ब्रिटेन में है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. B

- भारत में सरकार की संसदीय प्रणाली काफी हद तक ब्रिटिश संसदीय प्रणाली पर आधारित है। हालाँकि, यह कभी भी ब्रिटिश प्रणाली की प्रतिकृति नहीं बन पाई और निम्नलिखित मामलों में भिन्न है:
- भारत में ब्रिटिश राजतंत्रीय प्रणाली के स्थान पर गणतंत्रिक प्रणाली है। दूसरे शब्दों में, भारत में राज्य का प्रमुख (यानी राष्ट्रपति) चुना जाता है, जबकि ब्रिटेन में राज्य का प्रमुख (यानी राजा या रानी) वंशानुगत पद प्राप्त करता है।
- ब्रिटिश प्रणाली संसद की संप्रभुता के सिद्धांत पर आधारित है, जबकि भारत में संसद सर्वोच्च नहीं है और लिखित संविधान, संघीय प्रणाली, न्यायिक समीक्षा और मौलिक अधिकारों के कारण सीमित और प्रतिबंधित शक्तियों को धारण करती है। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।

- ब्रिटेन में प्रधानमंत्री को संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ कॉमन्स) का सदस्य होना चाहिए। भारत में प्रधानमंत्री संसद के दोनों सदनों में से किसी का भी सदस्य हो सकता है।
 - सामान्यतः ब्रिटेन में संसद के सदस्यों को ही मंत्री नियुक्त किया जाता है। भारत में, संसद का सदस्य न होने वाले व्यक्ति को भी मंत्री नियुक्त किया जा सकता है, लेकिन अधिकतम छह महीने की अवधि के लिए।
 - ब्रिटेन में मंत्री के वैधानिक उत्तरदायित्व की व्यवस्था है जबकि भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। ब्रिटेन के विपरीत, भारत में मंत्रियों को राष्ट्राध्यक्ष के आधिकारिक कृत्यों पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसलिए कथन 2 सही है।
 - 'शैडो कैबिनेट' ब्रिटिश कैबिनेट प्रणाली की एक अनूठी संस्था है। इसका गठन विपक्षी दल द्वारा सत्तारूढ़ कैबिनेट को संतुलित करने और अपने सदस्यों को भविष्य के मंत्री पद के लिए तैयार करने के लिए किया जाता है। भारत में ऐसी कोई संस्था नहीं है।
41. भारत के संविधान के अनुच्छेद 359 के तहत राष्ट्रपति को दी गई शक्तियों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
1. वह किसी भी राज्य के लिए अध्यादेश जारी कर सकता है।
 2. उसे कुछ मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन को निलंबित करने का अधिकार है।
 3. वह राष्ट्रीय आपातकाल को देश के कुछ हिस्सों तक ही बढ़ा सकता है, पूरे देश में नहीं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) केवल 3

Ans. B

व्याख्या:

- अनुच्छेद 359 राष्ट्रपति को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए किसी भी अदालत को स्थानांतरित करने के अधिकार को निलंबित करने का अधिकार देता है। इसका मतलब यह है कि अनुच्छेद 359 के तहत मौलिक अधिकार निलंबित नहीं हैं, बल्कि केवल उनका प्रवर्तन निलंबित है। अतः कथन 2 सही है।
- 1978 के 44वें संशोधन अधिनियम ने अनुच्छेद 359 के दायरे को दो तरह से सीमित कर दिया।
 - o सबसे पहले, राष्ट्रपति अनुच्छेद 20 से 21 द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए न्यायालय जाने के अधिकार को निलंबित नहीं कर सकते। दूसरे शब्दों में, अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण का अधिकार (अनुच्छेद 20) और जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 21) आपातकाल के दौरान भी लागू रहते हैं।

- o दूसरे, केवल वे कानून जो आपातकाल से संबंधित हैं, उन्हें चुनौती दिए जाने से संरक्षित किया जाता है, अन्य कानूनों को नहीं और केवल ऐसे कानून के तहत की गई कार्यकारी कार्रवाई संरक्षित होती है।
 - अनुच्छेद 359 दोनों के मामले में लागू होता है जब राष्ट्रीय आपातकाल युद्ध या बाहरी आक्रमण के साथ-साथ सशस्त्र विद्रोह के आधार पर घोषित किया जाता है।
 - अनुच्छेद 359 पूरे देश या उसके किसी हिस्से पर लागू हो सकता है। अतः कथन 3 सही नहीं है।
 - अनुच्छेद 359 राष्ट्रपति को किसी राज्य में अध्यादेश जारी करने का अधिकार नहीं देता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
42. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29 और 30 के तहत दिए गए सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।
1. अनुच्छेद 29 का दायरा सिर्फ अल्पसंख्यकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें बहुसंख्यक भी शामिल हैं।
 2. संविधान में कहीं भी अल्पसंख्यक शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. C

व्याख्या:

- अनुच्छेद 29 अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित है। इसमें प्रावधान है कि भारत के किसी भी हिस्से में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग को, जिसकी अपनी अलग भाषा, लिपि या संस्कृति है, उसे बनाए रखने का अधिकार होगा।
- इसमें यह भी प्रावधान है कि किसी भी नागरिक को केवल धर्म, मूलवंश, जाति या भाषा के आधार पर राज्य द्वारा अनुरक्षित या राज्य कोष से सहायता प्राप्त करने वाले किसी शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश से वंचित नहीं किया जाएगा।
- अनुच्छेद 29 धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ-साथ भाषाई अल्पसंख्यकों दोनों को संरक्षण प्रदान करता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने माना कि इस अनुच्छेद का दायरा जरूरी नहीं कि केवल अल्पसंख्यकों तक ही सीमित हो, जैसा कि सामान्यतः माना जाता है। ऐसा अनुच्छेद 29 में 'नागरिकों के वर्ग' शब्द के प्रयोग के कारण है जिसमें अल्पसंख्यकों के साथ-साथ बहुसंख्यक भी शामिल हैं। इसलिए, कथन 1 सही है।
- अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों को, चाहे वे धार्मिक हों या भाषाई, निम्नलिखित अधिकार प्रदान करता है: o सभी अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उन्हें संचालित करने का अधिकार होगा।
 - o किसी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान की संपत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण के लिए राज्य द्वारा निर्धारित मुआवजा राशि उनको गारंटीकृत अधिकार को प्रतिबंधित या निरस्त नहीं करेगी।

- इस प्रकार, अनुच्छेद 30 के तहत संरक्षण केवल अल्पसंख्यकों (धार्मिक या भाषाई) तक ही सीमित है और नागरिकों के किसी भी वर्ग तक विस्तारित नहीं है (जैसा कि अनुच्छेद 29 के तहत है)। हालाँकि, संविधान में कहीं भी 'अल्पसंख्यक' शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है। इसलिए, कथन 2 सही है।

43. 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए थे?

1. समाजवादी
2. धर्मनिरपेक्ष
3. एकता
4. गरिमा

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1, 2 और 3
- (c) केवल 1 और 2
- (d) केवल 2, 3 और 4

Ans. C

व्याख्या:

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना में संशोधन किया जा सकता है बशर्ते कि प्रस्तावना में निहित संविधान की मूल विशेषताओं में कोई संशोधन न किया जाए।
- प्रस्तावना में 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा केवल एक बार संशोधन किया गया है। इस संशोधन द्वारा, प्रस्तावना में तीन शब्द जोड़े गए जो समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता हैं।
- इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।

44. भारत में नागरिकता के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. केवल जन्म से नागरिक भारत के राष्ट्रपति के पद के लिए पात्र है, न कि प्राकृतिक नागरिक।
2. संसद और राज्य विधानमंडल की सदस्यता के लिए चुनाव लड़ने के लिए व्यक्ति को भारतीय नागरिक होना चाहिए।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. B

व्याख्या:

- भारत में जन्म से नागरिक और साथ ही प्राकृतिक नागरिक दोनों राष्ट्रपति पद के लिए पात्र हैं, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में केवल जन्म से नागरिक और न कि प्राकृतिक नागरिक राष्ट्रपति पद के लिए पात्र हैं। अतः कथन 1 सही नहीं है।

- सभी भारतीय नागरिकों को संसद और राज्य विधानमंडल की सदस्यता के लिए चुनाव लड़ने का अधिकार है। अतः कथन 2 सही है।

- o संसद का सदस्य चुने जाने के लिए, एक व्यक्ति को भारत का नागरिक होना चाहिए।

45. हमारे संविधान निर्माताओं ने निर्देशक सिद्धांतों को गैर-न्यायसंगत बनाया क्योंकि-

1. राज्य के पास अपर्याप्त वित्तीय संसाधन थे।
2. देश की विविधता और पिछड़ापन उनके कार्यान्वयन में बाधा बन रहा था।
3. मौलिक अधिकारों को पहले ही न्यायसंगत बनाया जा चुका है और निर्देशक सिद्धांतों को न्यायसंगत बनाना निरर्थक होगा।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

Ans. B

व्याख्या:

- यद्यपि निर्देशक सिद्धांत गैर-न्यायसंगत हैं, संविधान (अनुच्छेद 37) यह स्पष्ट करता है कि ये सिद्धांत देश के शासन में मौलिक हैं और कानून बनाने में इन सिद्धांतों को लागू करना राज्य का कर्तव्य होगा।
- संविधान के निर्माताओं ने निर्देशक सिद्धांतों को गैर-न्यायसंगत और कानूनी रूप से गैर-प्रवर्तनीय बनाया क्योंकि:
 - o देश में उन्हें लागू करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं थे। सभी निर्देशक सिद्धांतों को लागू करने के लिए नवगठित स्वतंत्र राज्य को भारी मात्रा में वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी और यह देश के लिए एक चुनौती होगी। इस संबंध में उन्हें गैर-न्यायसंगत बनाया गया था। इसलिए, कथन 1 सही है।
 - o देश में विशाल विविधता और पिछड़ापन की उपस्थिति उनके कार्यान्वयन के रास्ते में खड़ी होगी। निर्देशक सिद्धांत चरित्र में इतने विविध हैं अतः संवैधानिक निर्माताओं ने महसूस किया कि उन्हें न्यायोचित बनाना नए स्वतंत्र देश के लिए बाधाएं पैदा कर सकता है वे राज्य को भारत के भावी नेताओं को उन्हें लागू करने के लिए पर्याप्त समय और चुनने का स्थान देना चाहते थे। इसलिए, कथन 2 सही है।
- कथन 3 सही नहीं है क्योंकि निर्देशक सिद्धांतों को न्यायसंगत बनाना निरर्थक नहीं होगा और वास्तव में उन्हें न्यायसंगत बनाने से सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और समतावादी समाज का निर्माण हो सकता है।
- इसलिए, संविधान निर्माताओं ने व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए इन सिद्धांतों को धार देने से परहेज किया। वे इन सिद्धांतों की पूर्ति के लिए अंतिम मंजूरी के रूप में अदालती प्रक्रियाओं की बजाय जागृत जनमत में अधिक विश्वास करते थे

46. अनुच्छेद 14 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. भारतीय संविधान, अनुच्छेद 14 के तहत, केवल कानून के समक्ष समानता प्रदान करता है, न कि कानूनों के समान संरक्षण के लिए।
2. सुप्रीम कोर्ट के अनुसार जहां 'समान' और 'असमान' को अलग-अलग तरीके से व्यवहार किया जाता है, अनुच्छेद 14 लागू नहीं होता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. B

व्याख्या:

- अनुच्छेद 14 जो 'कानून के समक्ष समानता और कानूनों का समान संरक्षण' है, कहता है कि राज्य किसी भी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता या भारत के क्षेत्र में कानूनों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।
- 'कानून के समक्ष समानता' की अवधारणा ब्रिटिश मूल की है
- अनुच्छेद 14 वर्ग कानून की मनाही करता है लेकिन नीति आदि के प्रयोजनों के लिए उचित वर्गीकरण नहीं करता है।
- उदाहरण के लिए, एक अमीर व्यक्ति और एक गरीब व्यक्ति के साथ एक विशेष योजना के लिए समान व्यवहार नहीं किया जा सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने माना कि जहां समान और असमान के साथ अलग-अलग व्यवहार किया जाता है, अनुच्छेद 14 लागू नहीं होता है। इसलिए, कथन 2 सही है।

47. निम्नलिखित में से कौन से प्रावधान संसद के साधारण बहुमत से संशोधित किए जा सकते हैं?

1. नए राज्यों का प्रवेश या स्थापना
2. आधिकारिक भाषा का प्रयोग
3. संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनाव
4. सर्वोच्च न्यायालय को अधिक अधिकार क्षेत्र प्रदान करना

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

Ans. D

व्याख्या:

- संविधान के कई प्रावधानों को अनुच्छेद 368 के दायरे से बाहर संसद के दोनों सदनों के साधारण बहुमत से संशोधित किया जा सकता है। इन प्रावधानों में शामिल हैं-
 - o नए राज्यों का प्रवेश या स्थापना। अतः विकल्प 1 सही है।

- o नए राज्यों का गठन और मौजूदा राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन।
- o राज्यों में विधान परिषदों का उन्मूलन या निर्माण।
- o दूसरी अनुसूची-राष्ट्रपति, राज्यपालों, अध्यक्षों, न्यायाधीशों आदि की उपलब्धियां, भत्ते, विशेषाधिकार इत्यादि।
- o संसद में कोरम, संसद सदस्यों के वेतन और भत्ते, संसद में प्रक्रिया के नियम, संसद उसके सदस्यों और उसकी समितियों के विशेषाधिकार, संसद में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग।
- o सुप्रीम कोर्ट में अवर न्यायाधीशों की संख्या।
- o सुप्रीम कोर्ट को अधिक अधिकार क्षेत्र प्रदान करना। अतः विकल्प 4 सही है।
- o आधिकारिक भाषा का प्रयोग। अतः विकल्प 2 सही है।
- o नागरिकता-अधिग्रहण
- o संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनाव अतः विकल्प 3 सही है।
- o निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन।
- o केंद्र शासित प्रदेश।
- o पांचवीं अनुसूची- अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों का प्रशासन।
- o छठी अनुसूची- जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन।

48. सभी नागरिकों को पूरे देश में नागरिकता के समान राजनीतिक और नागरिक अधिकार प्राप्त हैं। लेकिन निम्नलिखित में से कितने मामलों में नागरिकों के साथ भेदभाव किया जा सकता है?

1. जब संसद रोजगार के लिए एक शर्त के रूप में किसी राज्य में निवास निर्धारित करती है।
2. जब कोई राज्य अपने निवासियों को संविधान द्वारा भारतीय नागरिक को नहीं दिए गए अधिकारों के संबंध में विशेष लाभ प्रदान करता है।
3. किसी अनुसूचित जनजाति के हितों की रक्षा के लिए।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

Ans. C

व्याख्या:

- भारत में, सभी नागरिक चाहे वे किसी भी राज्य में पैदा हुए हों या निवास करते हों, पूरे देश में नागरिकता के समान राजनीतिक और नागरिक अधिकारों का लाभ लेते हैं और उनके बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाता है।
- हालांकि, भेदभाव की अनुपस्थिति का यह सामान्य नियम कुछ अपवादों के अधीन है, अर्थात्,
 - o संसद (अनुच्छेद 16 के तहत) किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में कुछ रोजगार या नियुक्तियों के लिए एक शर्त के रूप में निवास निर्धारित कर सकती है। तदनुसार, संसद ने

सार्वजनिक रोजगार (निवास के संबंध में आवश्यकता) अधिनियम, 1957 को अधिनियमित किया। अतः कथन 1 सही है।

- o संविधान (अनुच्छेद 15 के तहत) किसी भी नागरिक के खिलाफ धर्म, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव को रोकता है, निवास के आधार पर नहीं। इसका मतलब यह है कि राज्य अपने निवासियों को उन मामलों में विशेष लाभ प्रदान कर सकता है या वरीयता दे सकता है जो संविधान द्वारा भारतीय नागरिकों को दिए गए अधिकारों के दायरे में नहीं आते हैं। अतः कथन 2 सही है।
- o आवागमन और निवास की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19 के तहत) किसी भी अनुसूचित जनजाति के हितों की सुरक्षा के अधीन है। दूसरे शब्दों में, बाहरी लोगों के आदिवासी क्षेत्रों में प्रवेश करने, निवास करने और बसने के अधिकार प्रतिबंधित हैं। इसलिए, कथन 3 सही है।

49. राष्ट्रीय आपातकाल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राष्ट्रीय आपातकाल को हटाने के लिए संसद की मंजूरी आवश्यक है।
2. राष्ट्रीय आपातकाल के संचालन की अधिकतम समय अवधि तीन वर्ष है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. D

व्याख्या:

- आपातकाल की घोषणा राष्ट्रपति द्वारा किसी भी समय बाद की घोषणा द्वारा रद्द की जा सकती है। ऐसी घोषणा के लिए संसदीय अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती है। इसलिए कथन 1 सही नहीं है।

- यदि संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो आपातकाल छह महीने तक जारी रहता है और हर छह महीने पर संसद की मंजूरी के साथ इसे अनिश्चित काल तक बढ़ाया जा सकता है। इसलिए कथन 2 सही नहीं है।

50. भारतीय संविधान की प्रस्तावना के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ?

- (a) यह बताती है कि संविधान भारत के लोगों से अपना अधिकार प्राप्त करता है।
- (b) यह संविधान के उद्देश्यों को निर्दिष्ट करती है।
- (c) यह विधायिका के लिए शक्ति का स्रोत है।
- (d) यह अदालतों में न्यायोचित नहीं है।

Ans. C

व्याख्या:

- भारत के संविधान की प्रस्तावना चार घटकों को प्रकट करती है।
- यह बताती है कि संविधान को भारत के लोगों से अधिकार प्राप्त होता है। इसलिए यह संविधान के अधिकार के स्रोत का खुलासा करती है।
- यह भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणतांत्रिक राजनीति घोषित करती है। इसलिए, यह भारतीय राज्य की प्रकृति को प्रकट करती है।
- यह संविधान के उद्देश्यों के रूप में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को निर्दिष्ट करती है।
- यह संविधान को अपनाने की तारीख 26 नवंबर, 1949 निर्धारित करती है।
- प्रस्तावना न तो विधायिका की शक्ति का स्रोत है और न ही कानून की शक्तियों पर प्रतिबंध है।
- मौलिक कर्तव्यों और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों की तरह, प्रस्तावना भी गैर-न्यायसंगत है, अर्थात् इसके प्रावधान कानून की अदालतों में लागू नहीं होते हैं।
- इसलिए विकल्प (सी) सही उत्तर है।